[न रिश्वत लेंगे, न रिश्वत देंगे] मुंबई, गुरुवार, 04 दिसंबर 2025 । मूल्य 0.00, कुल पृष्ठ 4 [वर्ष: 12, डिजिटल अंक: 97, प्रधान संपादक : पवन जैन पदमावत] +91-9594542679 www.padmavatmedia.in padmavatmedia@gmail.com

दैनिक हिन्दी राष्ट्रीय डिजिटल समाचार पत्र

पदमावत मीडिया

Reg. No. MH180326353

अनमोल वचन

अहंकार मनुष्य का बहुत बड़ा दुश्मन है। वह सोने के हार को भी मिट्टी का बना देता है।

- महर्षि वाल्मीकि

जब तक प्रेरक इतिहास लेखन ... 03

डिजिटल संस्करण महाराष्ट्र व राजस्थान से प्रकाशित

04 जिला कलेक्टर ने युवाओं से ...

व्हाट्सएप से सीधे जुड़ें

सुझाव, शिकायत और समाचारों का स्वागत समाचार पत्र में प्रकाशित करने के लिए सप्रमाण समाचारों का स्वागत है। आप सुझाव या शिकायत भी भेज सकते हैं। संपर्क/व्हाट्सएप ✆95945-42679 विज्ञापन देने या अखबार प्राप्त करने के लिए संपर्क

✆95945-42679

प्रधान सम्पादक

राज्य स्तरीय विशेष योग्यजन पुरस्कार समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा

सरकार दिव्यांगों को सशक्त करने के लिए संकल्पित

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आज खेल जगत से लेकर शिक्षा, विज्ञान, संगीत, कला और तकनीक सहित हर क्षेत्र में दिव्यांगजनों ने अपनी प्रतिभा साबित की है। इन्हें आगे बढ़ने के समान अवसर उपलब्ध करवाना हम सब की नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि हम अपने आस-पास रह रहे दिव्यांगजनों की प्रतिभा को पहचानते हुए इनका पूरा सहयोग करें जिससे इनकी विशेष योग्यता का लाभ समाज को मिल सके तथा एक समावेशी समाज का निर्माण हो। उन्होंने कहा कि हमारा संकल्प है कि राजस्थान दिव्यांगजनों के लिए सबसे सुगम्य और संवेदनशील राज्य बने।

श्री शर्मा बुधवार को हरीश चन्द्र माथुर लोक प्रशासन संस्थान (ओटीएस) में अन्तरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस पर राज्य स्तरीय विशेष योग्यजन सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस दौरान सम्मानित होने वाले विशेष योग्यजनों एवं संस्थानों को बधाई देते हुए कहा कि इससे विशेष योग्यजनों को सशक्त बनाने के संकल्प को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 1992 में हर वर्ष 3 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस मनाने की घोषणा की थी जिससे दिव्यांगजनों के अधिकारों की रक्षा, समान अवसर तथा समाज में समावेशी सोच का प्रसार हो।

विशेष योग्यजन की सफलता की कहानियां हम सभी के लिए प्रेरणा

मुख्यमंत्री ने कहा कि विशेष योग्यजन अपने भीतर विशेष योग्यता रखते हैं। ये अपनी अदम्य इच्छाशक्ति, दृढ़संकल्प और मेहनत से हर सीमा को पार करने का साहस रखते हैं। इनमें वह हुनर और जज्बा होता है जो किसी सामान्य व्यक्ति में मुश्किल से मिलता है। उन्होंने कहा कि पैरालम्पिक में हमारे खिलाड़ियों ने देश और प्रदेश को जो सम्मान दिलाया है, वह उनकी ऊर्जा और क्षमता का प्रमाण है। इनकी सफलता की कहानियां हम सभी को प्रेरित करती हैं।

प्रधानमंत्री के सुगम्य भारत अभियान पहल से दिव्यांगजन हुए सशक्त

श्री शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की मंशा देश में एक ऐसे समावेशी समाज की स्थापना करना है जिसमें किसी व्यक्ति की शारीरिक चुनौतियां उसकी राष्ट्र निर्माण में भागीदारी के लिए बाधा न बन सकें। उन्होंने अपनी इसी सोच के साथ सुगम्य भारत अभियान जैसी ऐतिहासिक पहल की है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा दिव्यांगजन अधिनियम के माध्यम से विकलांगता की परिभाषा को सात श्रेणियों से बढ़ाकर 21 श्रेणियों तक किया है। इसमें एसिड अटैक सरवाइवर को भी शामिल किया गया है। यह कानून दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने एवं सामाजिक धारणाओं को बदलने में मददगार साबित हो रहा है।

दिव्यांगजन हमारे समाज की अमूल्य निधि

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिव्यांगजन हमारे समाज की अमूल्य निधि है। इनके कल्याण के लिए प्रदेश सरकार अनेक योजनाएं संचालित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में विशेष योग्यजन के लिए मोटराइज्ड ट्राई साइकिल, स्मार्टफोन, व्हील चेयर, ट्राई साइकिल, पेंशन इत्यादि से जुड़ी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। हमने विद्यार्थियों एवं स्वरोजगार करने वाले दिव्यांगजनों को गत वर्ष 2 हजार स्कूटी वितरित की हैं तथा इस वर्ष दिव्यांगजनों को ढाई हजार स्कूटी वितरित की जा रही है। साथ ही, दिव्यांगजनों के लिए प्रदेशभर में विभिन्न क्लस्टर बनाए गए हैं।

विशेष योग्यजनों का मैस भत्ता बढ़कर हुआ 3 हजार 250 रुपए

श्री शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले साल दिव्यांगजनों को 15 हजार अंग उपकरण वितरित किए थे और इस वर्ष 1 लाख अंग वितरण करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि मस्क्यूलर डिस्ट्रॉफी जैसी दुर्लभ बीमारी से पीड़ित लोगों के जीवन को सुगम बनाने के लिए राज्य में पहली बार इलेक्ट्रिक पावर्ड व्हील चेयर का वितरण किया जा रहा है। साथ ही, विशेष योग्यजनों के लिए संचालित आवासीय संस्थानों का इस वर्ष से मैस भत्ता 2 हजार 500 से बढ़ाकर 3 हजार 250 रुपये प्रति आवासीय कर दिया गया है।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री अविनाश गहलोत ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में दिव्यांगजनों के पुनर्वास, शिक्षा, स्वास्थ्य, विधिक सहायता एवं सामाजिक सुरक्षा के लिए राज्य सरकार द्वारा निरन्तर प्रयास किये जा रहे है। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों का चिन्हीकरण एवं प्रमाणीकरण करवाकर यूनिक डिसेबिलिटी पहचान पत्र जारी करने में राजस्थान देशभर में अग्रणी राज्यों में शामिल है।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले दिव्यांगजनों को सम्मानित किया। साथ ही, उन्होंने विशेष योग्यजनों को स्मार्टफोन, श्रवण यंत्र एवं स्मार्ट केन भी वितरित किए। इससे पूर्व उन्होंने दिव्यांगजन द्वारा बनाए गए उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने विशेष योग्यजनों को स्कूटी वितरण एवं अंग उपकरण भी वितरित किए।

इस अवसर पर संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, अतिरिक्त मुख्य सचिव योग्यजन उपस्थित रहे।

सामाजिक एवं न्याय अधिकारिता श्रीमती अपर्णा अरोड़ा, विशेष योग्यजन निदेशालय आयुक्त श्री इकबाल खान सहित अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में विशेष

खबर संक्षेप

जल संसाधन मंत्री आज हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर दौरे पर

जयपुर @ पदमावत मीडिया। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत 4 दिसंबर गुरुवार को हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर जिले के दौरे पर रहेंगे। वे जल संसाधन विभाग द्वारा संचालित विभिन्न जल संरचनाओं और निमार्णाधीन परियोजनाओं का स्थल निरीक्षण करेंगे तथा अधिकारियों के साथ बैठक कर प्रगति की विस्तृत समीक्षा करेंगे। मंत्री रावत गुरुवार दोपहर 12:30 बजे श्याम सिंह वाला माईनर पहुंचकर चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण करेंगे और कार्यों की गुणवत्ता, समय-सीमा तथा तकनीकी प्रगति का जायजा लेंगे। इसके बाद वे हनुमानगढ़ के मुख्य अभियंता कार्यालय पहुंचकर विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे, जिसमें आगामी 5 दिसंबर को श्रीगंगानगर में होने वाले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रस्तावित कार्यक्रम की व्यवस्थाओं, प्रगति और सभी तैयारियों की समीक्षा की जाएगी। दौरे के दौरान मंत्री रावत श्रीगंगानगर स्थित गाजर मंडी में भी पहुंचकर सभा स्थल पर किए जा रहे विभिन्न प्रबंधों का निरीक्षण करेंगे। अगले दिन 5 दिसंबर को वे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित होने वाले विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास समारोह में भाग लेंगे।

आर्यिका विकाम्याश्री माताजी ससंघ का अडिंदा में मंगल प्रवेश

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। आर्यिका विकाम्याश्री माताजी एवं आर्यिका विगुंजनश्री

माताजी ससंघ का उदयपुर से कानपुर, लकड़वास और साकरोदा होते हुए बुधवार प्रातः अतिशय क्षेत्र अडिंदा पार्श्वनाथ में मंगल प्रवेश हुआ। प्रवक्ता अनिल स्वर्णकार ने बताया कि अडिंदा ट्रस्ट परिवार ने आर्यिका ससंघ की अगवानी करते हुए पाद प्रक्षालन के साथ मंगलमय स्वागत किया। ससंघ के सान्निध्य में मूलनायक भगवान पार्श्वनाथ का अभिषेक और शांतिधारा संपन्न हुई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने श्रद्धाभाव के साथ सहभागिता की। आहारचर्या के पश्चात आर्यिका ससंघ दोपहर में कुराबड़ के लिए पदविहार हेतु प्रस्थान हुआ।

मुख्य अभियंता ने ली समीक्षा बैठक

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग अंतर्गत मुख्य अभियंता परियोजना दिनेश गोयल ने बुधवार को पटेल सर्कल स्थित कार्यालय परिसर में जल जीवन मिशन की प्रगति को लेकर संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक ली। श्री गोयल ने जल जीवन मिशन के तहत उदयपुर सहित बांसवाड़ा क्षेत्र में चल रहे कार्यों की प्रगति जानी। उन्होंने लंबित कार्यों को त्वरित रूप से पूर्ण कराने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

भींडर प्रवास में पवन जैन पदमावत ने किया सन्मति धाम का निरीक्षण, नि:शुल्क शिक्षा की पहल की सराहना

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

संवाददाता : दीपक शर्मा कानोड़

भींडर। पदमावत मीडिया के प्रधान संपादक एवं एंटी करप्शन एंड क्राइम कंट्रोल कमेटी के मीडिया सेल के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन जैन पदमावत अपने एक दिवसीय भींडर प्रवास के दौरान भींडर-पाणुंद रोड पर शिकारवाड़ी-वीरवालियों का खेड़ा के मध्य स्थित नवनिर्मित सन्मति धाम पहुँचे। यहाँ उन्होंने आदिब्रह्मा आदिनाथ फाउंडेशन द्वारा संचालित धार्मिक, सामाजिक और शैक्षणिक गतिविधियों का विस्तृत निरीक्षण किया।

धाम पहुँचने पर आदिब्रह्मा आदिनाथ आदिनाथ फाउंडेशन के निर्देशक अनिल स्वर्णकार ने उनका स्वागत किया और सन्मति धाम की स्थापना, उद्देश्य और कार्यप्रणाली से संबंधित विस्तारपूर्वक जानकारी दी। अनिल स्वर्णकार ने बताया कि आदिब्रह्मा आदिनाथ फाउंडेशन द्वारा बच्चों को पाठ्य पुस्तकें, कॉपियाँ, स्कूल बैग, यूनिफॉर्म, शूजझमोजे, स्वेटर और टिफिन बॉक्स सहित अध्ययन से जुड़ी सभी आवश्यक सामग्री संस्था की ओर से पूर्णतः निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती है। यह पहल आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रही है।

सन्मति धाम परिसर में स्थित परम पूज्य तपस्वी सम्राट आचार्य सन्मति सागर महाराज का भव्य गुरु मंदिर भी पवन जैन पदमावत ने देखा।

यह पूरा केंद्र आचार्य सुनील सागर जी गुरुदेव की मंगल प्रेरणा और आशीर्वाद से विकसित हुआ है जहाँ धर्म, शिक्षा व सेवा का अनोखा संगम दिखाई देता है।

निरीक्षण के दौरान पवन जैन पदमावत ने गुरु मंदिर परिसर, कक्षाओं, अध्ययन स्थलों और बच्चों के लिए तैयार की गई सुविधाओं को नजदीक से देखा। उन्होंने संस्था की प्रशंसा करते हुए कहा आज के समय में जब शिक्षा कई परिवारों के लिए चुनौती बन चुकी है, ऐसे में निःशुल्क शिक्षा और शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराना समाज के लिए प्रेरणास्रोत कार्य है। सन्मति धाम बच्चों के भविष्य को संवारने का श्रेष्ठ केंद्र बनकर उभर रहा है।

प्रवास के दौरान पवन जैन पदमावत की मुलाकात इंद्र वैष्णव से भी हुई, जो सरकारी विद्यालय में कार्यरत शिक्षक हैं। उन्होंने क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों की स्थिति, बच्चों की शैक्षणिक जरूरतों और ग्रामीण शिक्षा से जुड़ी चुनौतियों पर पवन जैन पदमावत से चर्चा की।

पवन जैन पदमावत ने कहा कि शिक्षा और संस्कार का संगम समाज के विकास का आधार है। यदि निजी संस्थान, सरकारी स्कूल और समाजसेवी संगठन मिलकर कार्य करें तो ग्रामीण शिक्षा की गुणवत्ता कई गुना बढ़ सकती है।

अंत में पवन जैन पदमावत ने सन्मति धाम के सेवाभावी कार्यों की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए समाजसेवी संस्थानों और क्षेत्रवासियों से इस पुनीत कार्य में सहयोग का आग्रह किया। एक दिवसीय भींडर प्रवास का यह कार्यक्रम धर्म, शिक्षा और सामाजिक सेवा का प्रेरक उदाहरण बनकर सामने आया।

तुम साधनों में जीते है हम साधना में जीते है : आचार्य पुलक सागर

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

उदयपुर । राष्ट्रसंत जैनाचार्य पुलक सागर महाराज के चातुर्मास निष्ठापन के साथ ही आचार्य जिन-जिन लाभार्थियों ने मंगल कलश का लाभ लिया उन के घर-घर जाकर उस कलश की स्थापना कर रहे हे। इसी के तहत बुधवार को अशोक नगर में चातुर्मास कलश के लाभार्थी कमला देवी, रंजना-जिनेश, अंजना-राजेश, निकिता - सिद्धार्थ, नेहल, कार्तिक व शांतनु टाया के घर आचार्य पुलक सागर महाराज की आहारचार्य एवं मंगल कलश की स्थापना की। पुलक मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद फान्दोत ने बताया कि आचार्य के मुखारविंद से मंत्रोच्चारण के पश्चात मंगल कलश की स्थापना समस्त टाया परिवार द्वारा विधि विधान व पूजन क्रिया के साथ संपन्न की गई। उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को इस अवसर पर आचार्यश्री ने अपना मंगल आशीष प्रदान किया। परिवार के नये सदस्य आदिराज को अपने आचार्य पुलकसागर महाराज ने जैनत्व के संस्कार स्थापित किय। इस अवसर पर निर्मल सिंघवी, नानालाल रटोडिा, सुरेंद्र संगावत, गेदांलाल फांदोत, विमल संगावत, राकेश टीमरवा सहित समाजजन मौजूद रहे।

अशोक नगर में टाया भवन में आयोजित धर्म सभा में आचार्य पुलक सागर महाराज ने कहां कि हमारे हिंदुस्तान में रोजाना त्यौहार होते है, हम अपने घर में ऐसे जीते है जैसे रोज त्यौहार हो ।

उदयपुर में द मॉरल शॉपी की भव्य एक दिवसीय प्रदर्शनी जनवरी में आयोजित होगी

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

संस्कृति, स्वदेशी उत्पाद, नारी सशक्तिकरण और प्रतिभा प्रदर्शन का अनूठा संगम; शहर में बनेगा एक नया इतिहास

उदयपुर। लेकसिटी में कला, संस्कृति और नारी उद्यमिता के रंग एक साथ बिखेरने जा रहे हैं। द मॉरल शॉपी द्वारा जनवरी माह के प्रारंभ में आयोजित होने वाली एक दिवसीय भव्य प्रदर्शनी न केवल एक सांस्कृतिक उत्सव होगी, बल्कि उदयपुर में महिला शक्ति, स्वदेशी उत्पाद और लोक कला को नया मंच प्रदान करने वाला महत्वपूर्ण आयोजन साबित होगा।

आयोजिका मयूरा मेहता ने बताया कि इस प्रदर्शनी का उद्देश्य केवल वस्त्रझगृह सज्जा-क्राफ्ट स्टॉल्स लगाना ही नहीं है, बल्कि स्वदेशी अपनाओ और वोकल फॉर लोकल के संदेश को जन-जन तक पहुँचाना है। सबसे खास बात यह है कि प्रदर्शनी में लगाए जाने वाले सभी स्टॉल महिलाओं द्वारा संचालित होंगे, जो महिला उद्यमिता और आर्थिक आत्मनिर्भरता का मजबूत संदेश देंगे।

भूले-बिसरे खेलों से जुड़ेगी पुरानी यादें

आयोजन की सबसे आकर्षक गतिविधियों में से एक होगी-भूले-बिसरे खेल अंताक्षरी। पुरानी यादों को वर्तमान से जोड़ते हुए प्रतिभागियों को पाँच अलग-अलग टीमों-दीवाने, परवाने, मस्ताने, अफसाने और नजराने-में बांटा जाएगा। खेल के हर राउंड में रोमांच, उत्साह और हल्की-फुल्की नोकझोंक सभी प्रतिभागियों के लिए यादगार अनुभव बनेगी। सभी प्रतिभागियों को निश्चित पुरस्कार दिए जाएंगे, जिससे प्रोत्साहन और आनंद दोनों का समावेश हो सके।

महिला सशक्तिकरण की मंच पर चमकेगी अनूठी पहचान

प्रदर्शनी का मुख्य आकर्षण महिलाओं के लिए विशेष रूप से आयोजित कैट वॉक होगा, जिसमें राजस्थान सहित देश की विभिन्न राज्यों की वेश-भूषा की झलक मिलेगी। घूमर अवॉर्ड, बेस्ट पंजाबी लुक अवॉर्ड, बेस्ट बंगाली लुक अवॉर्ड, बेस्ट मराठी लुक अवॉर्ड, बेस्ट हरियाणवी लुक अवॉर्ड और बेस्ट साड़ी क्वीन अवॉर्ड जैसे विशेष सम्मान महिलाओं की विविधता और संस्कृति की सुंदरता को उभारेंगे।

इसके साथ ही द अल्टीमेट शेफ ऑफ द लेकसिटी (मास्टर शेफ प्रतियोगिता), नृत्य (एकल, युगल और समूह), गायन, कविता पाठ, चित्रकला और अन्य कला प्रस्तुतियों के माध्यम से हर प्रतिभागी को अपना हुनर देने का अवसर मिलेगा। आयोजन समिति द्वारा हर प्रतिभागी को मंच पर प्रोत्साहित किया जाएगा।

बाल प्रतियोगिताओं में दिखेगी मासूम प्रतिभा

बच्चों के लिए भी आयोजन विशेष रूप से आकर्षक रहेगा। फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता, रैंप वॉक (अभिभावक और परिवार के साथ), नृत्य प्रतियोगिता, कविता प्रस्तुति, चित्रकला और अन्य रचनात्मक गतिविधियाँ बच्चों में आत्मविश्वास व रचनात्मकता बढ़ाने का कार्य करेंगी।

पदमावत मीडिया बनेगा आयोजन का आधिकारिक मीडिया पार्टनर

इस कार्यक्रम में पदमावत मीडिया की आधिकारिक मीडिया पार्टनर के रूप में सहभागिता प्रदर्शनी को व्यापक प्रचार-प्रसार प्रदान करेगी। इससे न केवल उदयपुर, बल्कि आसपास के क्षेत्रों की प्रतिभाओं को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

जनवरी में सांस्कृतिक ऊर्जा से गूंजेगा लेकसिटी

आयोजिका मयूरा मेहता ने कहा कि यह आयोजन केवल एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि संस्कृति, कौशल, उद्यमिता और मनोरंजन का अनूठा संगम है। शहर की महिलाएँ, युवा, बच्चे और परिवार इस कार्यक्रम में एक ही दिन में विविध अनुभवों का आनंद ले सकेंगे। आयोजन टीम ने सभी इच्छुक प्रतिभागियों से शीघ्र संपर्क कर प्रदर्शनी में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है।

संभाग स्तरीय वाटरशेड महोत्सव कार्यशाला 5 को

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। केन्द्र सरकार के निदेर्शानुसार पूरे देश में 4 नवम्बर से 16 दिसम्बर तक वाटरशेड महोत्सव एवं मिशन वाटरशेड पुनरूत्थान अभियान का आयोजन किया जा रहा है। उदयपुर जिले में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0 अन्तर्गत कुल 7 परियोजनाएं पंचायत समिति भीण्डर, वल्लभनगर, कुराबड, कोटडा, नयागांव, ऋषभदेव व गोगुन्दा में संचालित हैं। महोत्सव के तहत संभाग स्तरीय एक दिवसीय कार्यशाला 5 दिसम्बर को नगर निगम परिसर स्थित पं दीनदयाल उपाध्याय सभागार में होगी। इसमें संभाग के लगभग 600 लाभार्थी एवं जनप्रतिनिधि भाग लेंगे।

नामहे म्यूजियम, दक्षिण कोरिया में भारतीय कलाकार

अशोक कुमार की एकल कला प्रदर्शनी

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

डॉ. शालिनी यादव

आधुनिक कला के जीवंत क्षेत्र में, कलाकार निरंतर प्रतिनिधित्व और अमूर्तता के बीच संतुलन बनाए रखने की कोशिश करते रहते हैं, और मानव अनुभव की जटिलताओं को संप्रेषित करने के नए तरीकों की खोज करते हैं। आज की समकालीन कला विभिन्न शैलियों को अपनाती है, सेमी-फिगरेटिव पेंटिंग से लेकर–जहां पहचाने जाने वाले रूप अभिव्यक्तिपूर्ण स्वतंत्रता के साथ मिलते हैं–ऐसी अमूर्त पृष्ठभूमियां जो भावनाओं को बिना शाब्दिक चित्रण के व्यक्त करती हैं। पूरी तरह से अमूर्त कला से भिन्न, जो पूरी तरह वास्तविकता से अलग हो जाती है, यह दृष्टिकोण देखे गए और महसूस किए गए के बीच सूक्ष्म संवाद प्रस्तुत करता है, दर्शक को परिचित और रहस्यमय दोनों में तारतम्य स्थापित करके देता है। इस अन्तःक्रिया के माध्यम से, कलाकार मनोवैज्ञानिक और आध्यात्मिक अर्थ की परतें प्रकट करता है, और दर्शकों को मात्र दृश्य आनंद से परे गहराई से जोड़ता है। कला अत्यंत व्यक्तिगत होती है, कलाकार के अनूठे दृष्टिकोण और आंतरिक दुनिया का प्रतिबिंब। हर कलाकार एक अद्वितीय आवाज के साथ अपनी कृति में प्रामाणिकता और व्यक्तिगतता के रंग भरता है। यह व्यक्तिगत अभिव्यक्ति कला को एक सशक्त माध्यम बनाती है, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अंतर्निहित भावनाओं और विचारों को साझा करने में सक्षम होती है। इस समृद्ध, बहुआयामी क्षेत्र में–जो भावनात्मक, बौद्धिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक स्तरों को समेटे हुए है–कला केवल सौंदर्यशास्त्र से ऊपर उठकर आत्म-अन्वेषण और संवाद का एक महत्वपूर्ण मंच बन जाती है। विश्व भर के कलाकार इस दृष्टि को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रस्तुत करने का प्रयास करते हैं, जो रचनात्मक संवाद के माध्यम से विविधता का उत्सव मनाते हैं।

ठीक इसी सांस्कृतिक विनिमय के जीवंत माहौल में प्रमुख भारतीय कलाकार अशोक कुमार की हाल की उपलब्धियां उभरकर सामने आई हैं। इस वर्ष के पिछले कुछ महीनों में, कुमार ने दक्षिण कोरिया में महत्वपूर्ण मान्यता प्राप्त की है, जहां उन्होंने विभिन्न कला केंद्रों में अपनी भावपूर्ण पेंटिंग्स का प्रदर्शन किया–देश की कला दृश्य में इतनी महत्वपूर्ण उपस्थिति दर्ज कराने वाले पहले भारतीय कलाकार के रूप में एक अभूतपूर्व मील का पत्थर। उनके एक्रिलिक-ऑन-कैनवास कार्य मानव मनोविज्ञान, आध्यात्मिकता और अवचेतन की गहराईयों में उतरते हैं, एक आकर्षक कथा प्रस्तुत करते हुए जो भौगोलिक और सांस्कृतिक सीमाओं को पार करती है।

इस गति को आगे बढ़ाते हुए, अशोक कुमार ने “Ecstasy Within” शीर्षक से एक प्रमुख एकल प्रदर्शनी का अनावरण किया, जो 21 नवंबर से 2 दिसंबर, 2025 तक दक्षिण कोरिया के नामहे द्वीप पर स्थित नामहे म्यूजियम में आयोजित हुई। इस प्रदर्शनी में कुल अठारस चित्रों को प्रदर्शित किया गया, जिन्हें भावनाओं और स्व-जागरूकता के गहन आंतरिक परिदृश्यों की खोज के लिए सावधानीपूर्वक चुना गया था। नामहे म्यूजियम ने कुमार की क्षमता में विश्वास जताते हुए उनके कार्यों के चयन और शैली पर पूरी स्वतंत्रता प्रदान की, जो उनकी कलात्मक दृष्टि पर भरोसे को दशार्ता है।

क्यूरेशन प्रक्रिया एक सहयोगात्मक प्रयास थी, जिसका उद्देश्य मनोवैज्ञानिक, आध्यात्मिक और मानव अस्तित्व की सौंदर्यशास्त्र के बीच संतुलन स्थापित करना था। अपनी सेमी-फिगरेटिव आकृतियों और पुनरावर्ती प्रतीकात्मक रूपांकनों के माध्यम से–जैसे जंग के ₹एनीमा₹ का प्रतिनिधित्व करने वाली स्त्रीलिंग आकृतियां, जीवनशक्ति और विकास का प्रतीक पौधे, तथा जीवन के चक्रीयतावाद का सूचक आकाशीय अर्धचंद्र–कुमार दर्शकों को एक अंतर्दृष्टिपूर्ण यात्रा पर ले जाते हैं। उनके जीवंत रंग और अमूर्त पृष्ठभूमि एक ध्यानमग्न वातावरण उत्पन्न करते हैं, जो दर्शकों को उनके अवचेतन भावनाओं, स्मृतियों और आध्यात्मिक अवस्थाओं के साथ जुड़ने के लिए प्रेरित करता है।

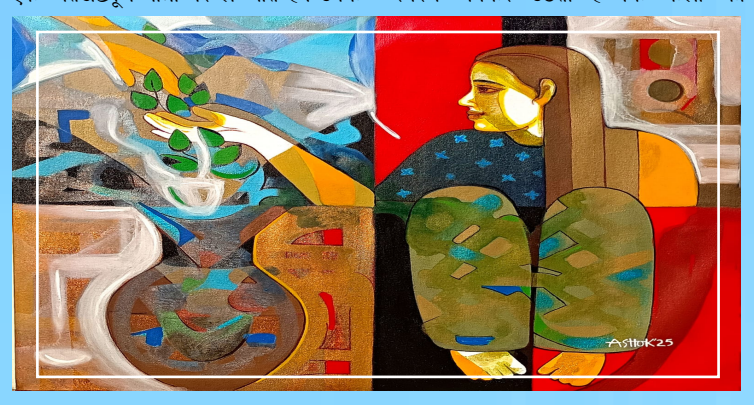

वर्षों की समर्पित मेहनत, शैली में विकास, और अंतर्राष्ट्रीय कला मेलों में निरंतर भागीदारी ने इस अवसर का मार्ग प्रशस्त किया। दर्शकों के साथ गहरा जुड़ाव आवश्यक रहा है, और ऐसा लगता है कि यही क्यूरेटरों के साथ प्रतिध्वनित हुआ, कुमार ने इस प्रदर्शनी की यात्रा पर विचार व्यक्त करते हुए मुझसे एक विशेष बातचीत में साझा किया। यह प्रदर्शनी न केवल उनके व्यक्तिगत करियर के लिए बल्कि भारतीय कला के अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रतिनिधित्व के लिए भी एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

विश्व में चल रहे अनेक संघर्षों–फिलिस्तीन, भारत-पाकिस्तान, यूक्रेन-रूस, और कई अन्य संघर्षग्रस्त इलाकों की गूंज के बीच–अशोक कुमार की आवाज एक गूढ़ स्मरण बनकर उठती है कि कला की सांसारिक दुनिया में अत्यंत शक्तिशाली भूमिका है। कला संस्कृतियों को जोड़ने और सार्वभौमिक मानवीय अनुभवों को व्यक्त करने की क्षमता रखती है, कुमार जोर देते हैं, उनके शब्द एक विभाजित विश्व के घावों पर मरहम की तरह हैं। मैं आशा करता हूं कि यह प्रदर्शनी उस संवाद को आगे बढ़ाएगी।

जैसे कि एक भारतीय कलाकार ने सुंदरता से कहा हैं, कला वह एकमात्र भाषा है जो हृदय से बात कर सकती है, सीमाओं और बंधनों से परे। पाब्लो पिकासो के शब्दों में, कला राजनीति नहीं है, बल्कि समयों का प्रतिबिंब, क्रिया का आह्वान, और हमारी साझा मानवता का प्रमाण है। कुमार की प्रदर्शनी इस स्थायी सत्य की एक जीवंत गवाही है, समझ और शांति की आशा करने वाली दुनिया के लिए आशा का प्रकाशस्तंभ।

अशोक कुमार की कलात्मक कथा अपनी मानव-केंद्रित दृष्टिकोण के लिए विशेष रूप से पहचानी जाती है। उनकी पेंटिंग्स आंतरिक भावनाओं और आध्यात्मिक खोज की जीवंत अभिव्यक्तियां हैं, जो अक्सर भावनात्मक रूप से निरपेक्ष समकालीन वैचारिक कला से भिन्न होती हैं। प्रत्येक कैनवास गर्मजोशी से भरा हुआ है और पूर्ण संवेदी एवं बौद्धिक मग्नता का निमंत्रण देता है। जैसा कि कुमार बताते हैं, ह्लमैं आध्यात्मिकता और मनोविज्ञान के जटिल सम्बन्धों की खोज करता हूं। मेरे लिए, कला एक अनुभव है–कभी सांत्वनादायक, कभी परेशान करने वाला–जो हमारे आंतरिक वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करता है।

कुमार का करियर तीन दशकों से अधिक तक फैला हुआ है, जो भारत के पटना के कॉलेज ऑफ आर्ट से 1987 में ऑनर्स के साथ स्नातक करने के शुरूआती वर्षों से शुरू हुआ। दक्षता की खोज ने उन्हें फ्रांस के मार्सिले में L’Ecole Supérieure des Beaux-Arts में छात्रवृत्ति के तहत अध्ययन के लिए प्रेरित किया। बाद में, उन्होंने भारत की संस्कृति मंत्रालय से वरिष्ठ फेलोशिप प्राप्त की, जिसने उनकी अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा को मजबूत किया। कुमार की कलाकृतियां तब से विश्व भर में पहुँची हैं, दक्षिण कोरिया, फ्रांस, पेरू, चीन, और चिली जैसी देशों में गूंजती हैं, और यूरोप व एशिया के प्रतिष्ठित संग्रहालयों में स्थान प्राप्त किया है।

उनकी कला भारतीय पौराणिक प्रतीकों और पश्चिमी अभिव्यक्तिवादी प्रभावों का एक अनूठा संगम है। जबकि वे पिकासो, मैटिस और शागल जैसे आधुनिक कलाकारों से प्रेरित हैं, कुमार की शैली विशिष्ट है–विशेषतः सपाटपन, तालबद्ध रचना, और अभिव्यक्तिपूर्ण चेहरे जो मनोवैज्ञानिक गहराई और आध्यात्मिक चिंतन को आमंत्रित करते हैं। उनके कार्य केवल चित्र नहीं, बल्कि ह्लमनोवैज्ञानिक आत्म-चित्रह्व हैं, जो काल और स्थान की सीमाओं से परे जाकर सार्वभौमिक मानव सच्चाइयों को प्रतिबिंबित करते हैं। कुमार की व्यापक संदेशता आकांक्षी कलाकारों के लिए प्रामाणिक आत्म-चिंतन की पुकार है। अपने सत्य से सृजन करें, वे सलाह देते हैं। भेद्यता और ईमानदारी में अपार शक्ति होती है। अपने आंतरिक स्व की खोज हमेशा आसान नहीं होती, लेकिन यह सच्ची कला के लिए अनिवार्य है। यह सिद्धांत उनकी सम्पूर्ण कृति में झलका है, जो दर्शकों को अपनी आंतरिक खोज पर निकलने का निमंत्रण देता है।

अशोक कुमार की हाल की प्रदर्शनी “Ecstasy Within” केवल दृश्य आनंद नहीं लायी, बल्कि मनोवैज्ञानिक, आध्यात्मिक और सौंदर्यशास्त्रीय सौंदर्य को एक साथ लाने वाले भावनात्मक और बौद्धिक संगम का दुर्लभ क्षण सिद्ध हुई। नामहे म्यूजियम के आगंतुकों के लिए, यह प्रदर्शनी एक मानव और कला प्रेमी के रूप में आत्म-अन्वेषण की एक खिड़की थी।

लेखक जयपुर, राजस्थान में प्रोफेसर और लेखिका है।

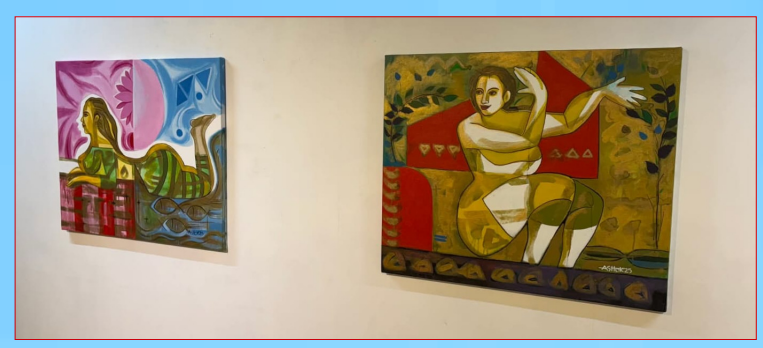

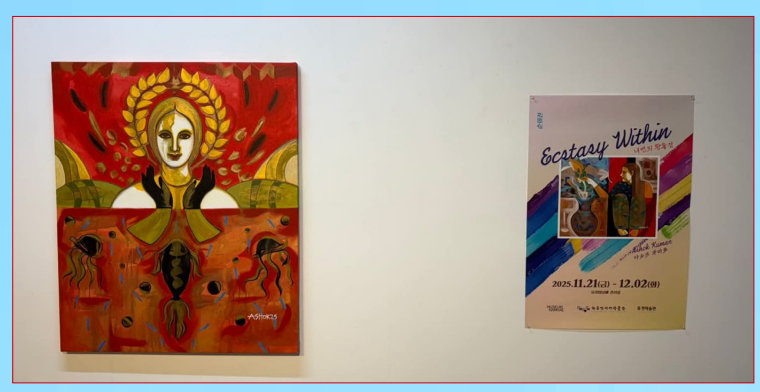

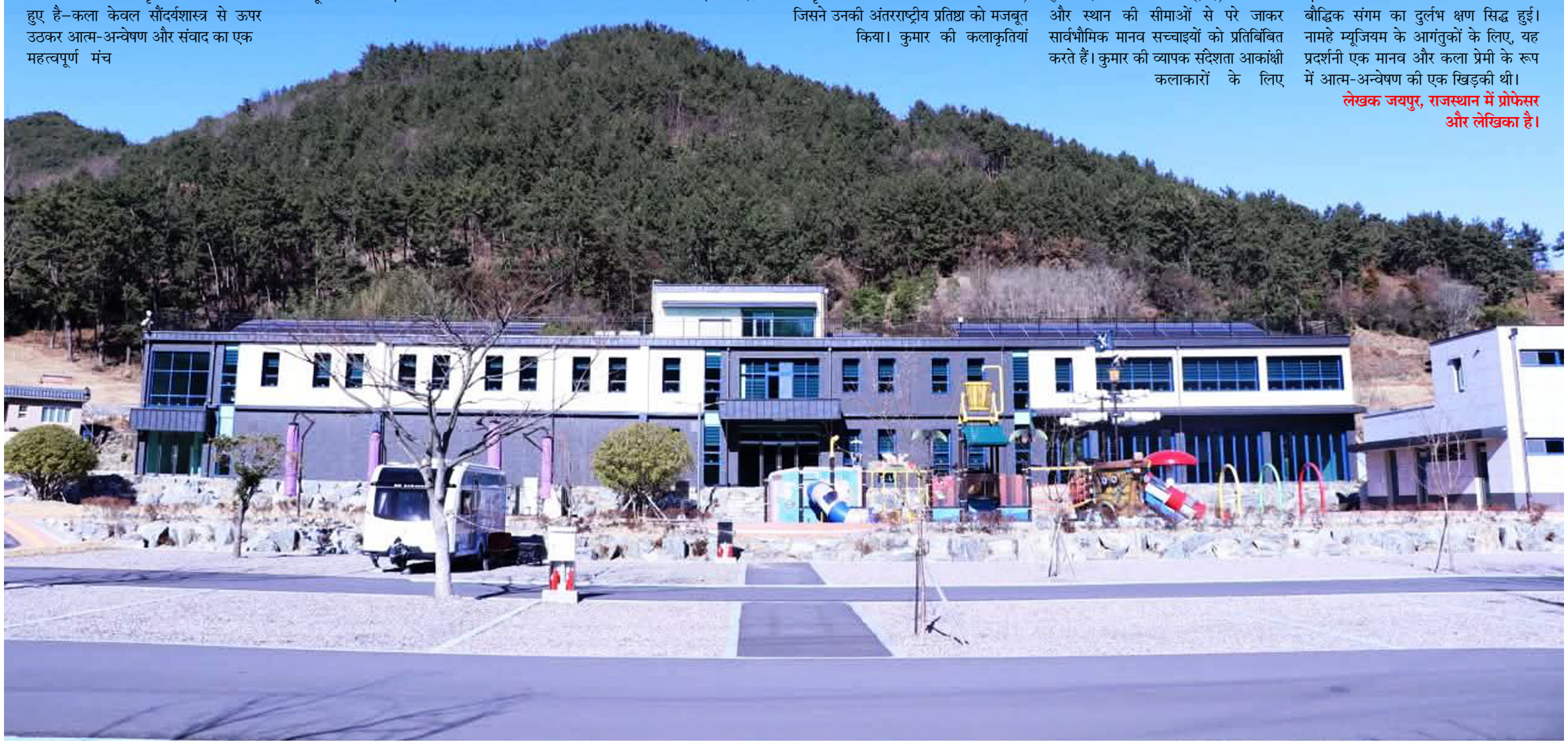

खबर संक्षेप

विजिलेंस एवं एनफोर्समेंट विभाग की बड़ी कार्रवाई

29 वाहन पकड़े, 6.05 लाख रुपये के जुमार्ने लगाए

तेलंगाना @ पदमावत मीडिया। विजिलेंस एंड एनफोर्समेंट (V&E) विभाग की वारंगल यूनिट ने 2 दिसंबर 2025 को जनगांव और हनमकोंडा जिलों में संयुक्त

आकस्मिक रूट निरीक्षण अभियान चलाते हुए बड़ी कार्रवाई की। दोपहर 3 बजे से रात 9 बजे तक चले इस अभियान में परिवहन विभाग, राज्य कर विभाग और खनन विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर 29 वाहनों को रोककर जांच की गई। अभियान के दौरान कई अनियमितताएं सामने आईं, जिन पर तीनों विभागों ने मौके पर ही जुमार्ने लगाए। परिवहन विभाग ने कर अदायगी में अनियमितताओं पर 3 लाख 40 हजार रुपये, खनन विभाग ने निर्धारित मात्रा से अधिक रेत परिवहन पर 50 हजार रुपये, जबकि राज्य कर विभाग ने जीएसटी चोरी के प्रकरणों में 2 लाख 15 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया। कुल मिलाकर 6 लाख 5 हजार रुपये का जुमार्ना वसूला गया। विजिलेंस विभाग ने कहा कि सरकारी राजस्व, सार्वजनिक धन और प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि या सरकारी संसाधनों के दुरुपयोग की जानकारी मिलने पर तुरंत टोल-फ्री नंबर 14432 पर सूचना दें।

एसीबी की बड़ी कार्रवाई :

70 हजार रुपये की रिश्वत लेते दो आरोपी रंगे हाथों गिरफ्तार

सूरत @ पदमावत मीडिया। एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए 70 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए दो

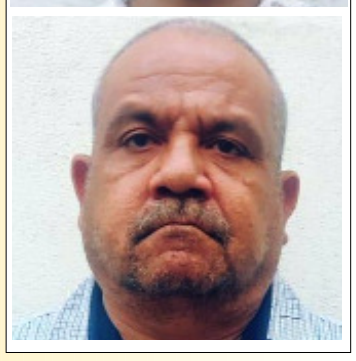

आरोपियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया। यह ट्रैप बुधवार को कामरेज क्षेत्र के स्वागतम नर्सरी, कामरेज टोल नाका के पास किया गया। शिकायतकर्ता ने अपनी जमीन पर कॉमर्शियल बिजली कनेक्शन के लिए आवश्यक दस्तावेजों के साथ विद्युत विभाग के कठोर सब-डिवीजन कार्यालय में आवेदन किया था। आरोप है कि प्रक्रिया आगे बढ़ाने और बिजली मीटर लगाने की अनुमति देने के बदले विभाग के सीनियर क्लर्क संतोष सोनवणे ने शिकायतकर्ता से 70 हजार रुपये की रिश्वत की मांग की। शिकायतकर्ता रिश्वत देने को तैयार नहीं था और उसने एसीबी से संपर्क कर शिकायत दर्ज कराई। एसीबी द्वारा योजनाबद्ध ट्रैप के दौरान आरोपी संतोष सोनवणे ने रिश्वत की रकम लेने के लिए बाहर के व्यक्ति भरत सावलिया (लेबर कॉन्ट्रैक्टर) को भेजा। आरोपी भरत सावलिया ने शिकायतकर्ता से बातचीत कर पूरी 70,000 रुपये की रिश्वत राशि स्वीकार की, जिसके तुरंत बाद एसीबी टीम ने दोनों आरोपियों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। एसीबी ने पूरी रिश्वत राशि बरामद कर ली है। यह कार्रवाई एसीबी सूरत ग्रामीण के पुलिस निरीक्षक आर.के. सोलंकी के नेतृत्व में की गई, जबकि संपूर्ण ऑपरेशन की निगरानी एसीबी सूरत यूनिट के सुपरविजन अधिकारी आर.आर. चौधरी द्वारा की गई।

डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ से मिला इतिहासकारों का दल

जब तक प्रेरक इतिहास लेखन में आपकी कलम चलेगी, उसमें स्याही भरने की जिम्मेदारी मेरी: डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

उदयपुर। सिटी पैलेस उदयपुर में एक ऐतिहासिक क्षण तब अंकित हुआ, जब मेवाड़ के 50वें श्री एकलिंग दीवान महाराणा संग्राम सिंह प्रथम (महाराणा सांगा) को समर्पित पुस्तक हिन्दूपति महाराणा संग्राम सिंह–स्वतंत्रता के ध्वजधारक का विमोचन डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ के करकमलों द्वारा सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर राजस्थान के प्रमुख इतिहासकारों, शोधकताओं और लेखकों का एक प्रतिनिधिमंडल भी उपस्थित रहा, जिनसे डॉ. मेवाड़ ने विस्तृत संवाद किया। डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने इतिहासकारों का स्वागत करते हुए कहा कि जब तक प्रेरक इतिहास लेखन में आपकी कलम चलेगी, उसमें स्याही भरने की जिम्मेदारी मेरी है। उन्होंने कहा कि मेवाड़ की धरती सदियों से वीरत्व, बलिदान और राष्ट्रनिष्ठा की अमर गाथाओं की साक्षी रही है। ऐसे में इतिहास के तथ्यपरक शोध, प्रमाणित

दस्तावेजों और अकादमिक लेखन को प्रोत्साहित करना समय की आवश्यकता है।

महाराणा संग्राम सिंह प्रथम पर आधारित पुस्तक हिन्दूपति महाराणा संग्राम सिंह–स्वतंत्रता के ध्वजधारक का विमोचन

पुस्तक में राणा सांगा का वैभव, संघर्ष और राष्ट्रधर्म

महाराणा मेवाड़ चैरिटेबल फाउंडेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. मयंक गुप्ता ने बताया कि पुस्तक में राणा सांगा के जीवन-दर्शन, मातृभूमि रक्षा के संकल्प, मुस्लिम आक्रांताओं के विरुद्ध नेतृत्व, सैन्य रणनीति, बयाना और खानवा जैसे निर्णायक युद्धों की व्याख्याएँ, कूटनीतिक संबंध, ताम्रपत्र एवं अभिलेखीय प्रमाणों का विश्लेषण समाहित है। पुस्तक में पं. नरेन्द्र मिश्र, कवि माधव दरक और कई वरिष्ठ शोधकताओं के विस्तृत लेख शामिल किए गए हैं।

डॉ. मेवाड़ और इतिहासकारों के मध्य राणा सांगा कालीन समाजव्यवस्था, समकालीन राजनीतिक परिस्थितियों, मेवाड़ी सैन्य कौशल व संस्कृति पर सारगर्भित विमर्श हुआ। इस दौरान डॉ. मेवाड़ ने इतिहास शोध के लिए व्याख्यानमाला, दस्तावेजी संवाद, दुर्लभ अभिलेखों के डिजिटलीकरण और शोधार्थियों को उपलब्ध संसाधनों के विस्तार हेतु फाउण्डेशन की ओर से सहयोग का आश्वासन दिया।

विमोचन समारोह में जुटे वरिष्ठ इतिहासकार

पुस्तक विमोचन के अवसर पर डॉ. जे.के. ओझा, डॉ. श्रीकृष्ण जुगनू, डॉ. राजेंद्रनाथ पुरोहित, डॉ. मनीष श्रीमाली, कल्पेश प्रताप सिंह, डॉ. स्वाति जैन और लेखक गिरिराज सिंह उपस्थित थे। कार्यक्रम में मेवाड़ की ऐतिहासिक उपलब्धियों, रणभूमि की गाथाओं तथा राणा सांगा के आदर्शों पर भी चर्चा हुई।

पुस्तक में शामिल प्रतिष्ठित रचनाएँ

पं. नरेन्द्र मिश्र की पंक्तियाँ राणा सांगा के जीवन की महागाथा को अमर स्वर देती हैं अस्सी घाव हुए तन पर, फिर भी तलवार न छोड़ी, वीर प्रसूता मेवाड़ी मिट्टी की आन न तोड़ी।

वहीं कवि माधव दरक की पंक्तियाँ सांगा के अडिग संकल्प को चित्रित करती हैं आँख गई एक, पाँव गया, एक हाथ गया, न लिया सहारा।

इतिहास में राणा सांगा का अप्रतिम स्थान

इतिहासकार गौरीशंकर हीराचंद ओझा ने राणा सांगा को भारत का अंतिम ऐसा हिन्दू सम्राट बताया है, जिसके नेतृत्व में देश की विभिन्न जातियाँ और राजनैतिक इकाइयाँ एकजुट होकर विदेशी आक्रांताओं के विरुद्ध संगठित हुईं। राणा सांगा के नेतृत्व में मेवाड़ की सीमाएँ दिल्ली की दहलीज से टकराती थीं और उनका युद्ध कौशल समूचे उपमहाद्वीप में आदर के साथ स्मरण किया जाता है।

इतिहास और शोध के नए आयामों की ओर कदम

डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने कहा कि मेवाड़ की गौरवशाली धरोहर और राष्ट्रनिष्ठ परंपरा को आधुनिक शोध के माध्यम से आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा, मेवाड़ का इतिहास सिर्फ अतीत नहीं, बल्कि प्रेरणा का वह दीपस्तंभ है, जो भविष्य का मार्ग प्रशस्त करता है।

ट्रैक्टर-ट्रॉली चोरी की वारदात का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार; चोरी का ट्रैक्टर-ट्रॉली बरामद

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

चित्तौड़गढ़। पुलिस थाना पारसोली ने काटुन्दा मोड़ पर हुई स्वराज ट्रैक्टरझट्रॉली चोरी की वारदात का सफल खुलासा करते हुए चोरी में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी का ट्रैक्टरझट्रॉली भी बरामद कर लिया है।

जिला पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी ने बताया कि पारसोली थाना क्षेत्र के काटुन्दा मोड़ पर 30 अक्टूबर की रात कमलेश पुत्र उदयलाल मेवाड़ा का ट्रैक्टर और ट्रॉली अज्ञात बदमाश चोरी कर ले गए थे। इस संबंध में पारसोली थाने पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

ट्रैक्ट-ट्रॉली चोरी की वारदात का खुलासा करने के लिए एएसपी रावतभाटा भगवत सिंह के निर्देशन और डीएसपी बेगूं अंजलि सिंह के सुपरविजन में थानाधिकारी पारसोली शिवराज राव के नेतृत्व में पुलिस और साइबर सेल की संयुक्त टीम गठित की गई।

टीम में एएसआई रामदयाल, कॉन्स्टेबल सोनाराम, ललित सिंह, विजय सिंह, रघुवीर तथा साइबर सेल के हैड कांस्टेबल राजकुमार, कांस्टेबल राजेश कुमार, रामावतार और गणपत शामिल थे।

टीम ने तकनीकी साक्ष्य, सीसीटीवी फुटेज, साइबर विशेषज्ञों की सहायता तथा मुखबिर तंत्र से मिली जानकारी के आधार पर वारदात में संलिप्त आरोपियों की पहचान की। पुलिस ने 24 वर्षीय प्रकाशचंद्र कीर पुत्र बद्रीलाल कीर निवासी रामनगर, थाना बिगोद, जिला भीलवाड़ा और 22 वर्षीय कमलेश कुमार पुत्र लालूराम जाट निवासी माताजी खेड़ा, थाना बिगोद, जिला भीलवाड़ा को चिन्हित किया।

दोनों आरोपियों को डिटेन कर गहन पूछताछ की गई। पूछताछ में उन्होंने ट्रैक्टरझट्रॉली चोरी करना स्वीकार किया और बताया कि चोरी का वाहन प्रकाशचंद्र कीर के बाड़े में छिपाकर रखा हुआ है। टीम ने मौके पर पहुंचकर ट्रैक्टरझट्रॉली बरामद कर ली।

आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से पुलिस ने पीसी रिमांड प्राप्त किया है। आरोपी अन्य संपत्ति संबंधी अपराधों में भी शामिल हो सकते हैं, जिनसे संबंधित पहलुओं की गहन जांच जारी है।

लालानाथ के ब्लाइंड मर्डर मामले में खुलासा, एक आरोपी गिरफ्तार

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

चित्तौड़गढ़। चित्तौड़गढ़ में बेडच नदी के पास झाड़ियों में मिली लालानाथ की लाश के मामले में ब्लाइंड मर्डर का खुलासा करते हुए सदर चित्तौड़गढ़ थाना पुलिस ने कोतवाली चित्तौड़गढ़ और साइबर सेल की मदद से हत्या करने के आरोपी को गिरफ्तार किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी ने बताया कि 20 नवम्बर को राहुल उर्फ.किशन पुत्र रामनाथ निवासी भाटखेड़ा थाना गंगरार ने सांवलिया हॉस्पिटल में पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि उसके अंकल लालानाथ पुत्र मांगीलाल नाथ, उम्र 35 वर्ष, निवासी भाटखेड़ा, 19 नवम्बर को सुबह 11 बजे अपनी माताजी हरक बाई को चंदेरिया रेलवे स्टेशन छोड़ने के लिए घर से अपनी विक्की पर निकले थे। चंदेरिया रेलवे स्टेशन पर अपनी माता को ट्रेन में बैठाकर वह वहां से रवाना हो गए। परिवारजन ने शाम 4 बजे फोन लगाया तो उनका मोबाइल बंद मिला। रात तक नहीं लौटने पर गंगरार थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई गई।

अगले दिन वह अपने साथी के साथ चित्तौड़गढ़ पहुंचे तो बेडच पुलिया के नीचे सड़क किनारे उनकी विक्की खड़ी मिली। पास में बेडच नदी के किनारे झाड़ियों में उनका शव मिला। शव पर आंख के पास चोट के निशान और गला दबाने के स्पष्ट चिन्ह थे। इस आधार पर हत्या का मामला दर्ज किया गया।

एएसपी चित्तौड़गढ़ सरिता सिंह और डीएसपी शहर बृजेश सिंह के सुपरविजन में थानाधिकारी निरंजन प्रताप सिंह के निर्देशन में सदर थाना, कोतवाली थाना और साइबर सेल की संयुक्त टीम गठित की गई। टीम ने शहर के विभिन्न स्थानों पर लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालकर आरोपी का हुलिया और फोटो प्राप्त किया। जांच में पता चला कि आरोपी महेंद्र व्यास पुत्र मांगीलाल व्यास निवासी धोबी घाट, दुधेश्वर रोड, शनिदेव मंदिर कंपाउंड, साहीबाग, अहमदाबाद, पूर्व में एक महिला हत्या प्रकरण में जेल से जमानत पर फरार चल रहा है। वह रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, सराय और रैन बसेरा जैसी जगहों पर ठहरकर फरारी काट रहा था तथा मोबाइल फोन भी प्रयोग नहीं करता था।

टीम ने चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, उदयपुर, नाथद्वारा, फतेहनगर और जोधपुर में आरोपी की संभावित मौजूदगी वाले स्थानों पर तलाश की। आरोपी की फोटो चाय दुकानदारों, ठेला संचालकों और टैक्सी चालकों को दिखाकर सतर्क किया गया। जोधपुर बस स्टैंड पर एक व्यक्ति ने आरोपी को पहचानकर टीम सदस्य रामावतार को वीडियो कॉल के माध्यम से दिखाया। पहचान की पुष्टि होने पर जोधपुर की नजदीकी पुलिस चौकी को सूचना दी गई और आरोपी को वहां से डिटेन किया गया। बाद में उसे चित्तौड़गढ़ लाकर अनुसंधान अधिकारी के सुपुर्द किया गया।

पूछताछ में आरोपी महेंद्र व्यास ने लालानाथ की हत्या स्वीकार की है। मामले में हत्या से संबंधित साक्ष्य एकत्रित किए जा रहे हैं। आरोपी पर थाना रायपुर, जिला भीलवाड़ा में भी महिला हत्या के मामले में जमानत पर फरार रहने का रिकॉर्ड है।

प्रकरण के खुलासे में शामिल टीम

सदर थाना चित्तौड़गढ़: थानाधिकारी निरंजन प्रताप सिंह, हैड कांस्टेबल सुरेंद्र सिंह, कांस्टेबल गजेन्द्र सिंह, पदम कुमार, गुरुप्रीत, भूपराम, विनोद कुमार।

कोतवाली चित्तौड़गढ़: थानाधिकारी तुलसीराम प्रजापति, उ.नि. प्रेम सिंह, हैड कांस्टेबल राजेंद्र सिंह, कांस्टेबल प्रहलाद, हरिराम, राजेश, लक्ष्मण सिंह।

साइबर सेल चित्तौड़गढ़: हैड कांस्टेबल राजकुमार सोनी, कांस्टेबल रामावतार मीणा, गणपत, मनीष नायक, कमलेश, राजेश।

थाना उदयमंदिर जोधपुर (बस स्टैंड पावटा चौकी): हैड कांस्टेबल हरसुखराम, कांस्टेबल सोहन सिंह, ओमप्रकाश, शिवराज।

'डिसएबल नहीं, डिफरेंटली एबल' : पुलिस ने दिव्यांग बच्चों को सिखाया आत्म-सुरक्षा का पाठ

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

फर्जी दया नहीं–समानता और सशक्तिकरण का संदेश; पत्रिका द्वार से निकली जागरूकता रैली, डीसीपी सुमित मेहरड़ा ने दिलाई शुरूआत, एएसपी सुनीता मीना ने सांकेतिक भाषा ट्रेनिंग को बताया जरूरी

जयपुर। विश्व दिव्यांगता दिवस पर मंगलवार को जवाहर सर्किल स्थित पत्रिका द्वार पर एक प्रेरणादायक और जनजागरूकता से भरपूर कार्यक्रम आयोजित हुआ। राजस्थान पुलिस और प्रयास संस्था के संयुक्त तत्वावधान में हुए इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में दिव्यांग बच्चे, सामान्य विद्यार्थी, प्रशिक्षक, पुलिस अधिकारी और आमजन शामिल हुए। कार्यक्रम का उद्देश्य दिव्यांगजनों के प्रति सामाजिक संवेदनशीलता बढ़ाना, उन्हें मुख्यधारा से जोड़ना और आत्म-विश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना था।

इस वर्ष विश्व दिव्यांगता दिवस की थीम थी सामाजिक प्रगति को बढ़ाने के लिए दिव्यांगता समावेशन को बढ़ावा देना । इसी भावना को केंद्र में रखते हुए यातायात पुलिस उपायुक्त सुमित मेहरड़ा और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कम्युनिटी पुलिसिंग सुनीता मीना ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर विश्व दिव्यांग जागरूकता रैली का शुभारंभ किया। रैली में दिव्यांग और सामान्य बच्चों ने कंधे से कंधा मिलाकर भाग लिया, जिससे समावेशन का संदेश पूरे क्षेत्र में गूंज उठा।

रैली के बाद मंच पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित दर्शकों का दिल जीत लिया। स्पेशल बच्चों ने 'हम होंगे कामयाब' गीत की प्रस्तुति देकर पूरे वातावरण को उत्साह और उत्सव से भर दिया। इसके साथ ही एकल नृत्य, समूह प्रस्तुति और एक प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया गया, जिसमें बच्चों ने समाज में समानता, अधिकारों और संवेदनशील व्यवहार के महत्व को सहज भाषा में बताया।

कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने दिव्यांगजन समावेशन और सम्मान के लिए सामूहिक संकल्प लिया। आयोजन में पुलिस अधिकारियों, प्रशिक्षकों और बच्चों के उत्साह ने यह संदेश दिया कि समाज तभी आगे बढ़ता है जब वह हर व्यक्ति को उसकी क्षमताओं के साथ स्वीकारता और आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करता है।

झाड़ोल में आचार्य विहर्ष सागर महाराज का मंगल प्रवेश, मुनि आज्ञा सागर महाराज ससंघ से हुआ भावपूर्ण मिलन

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

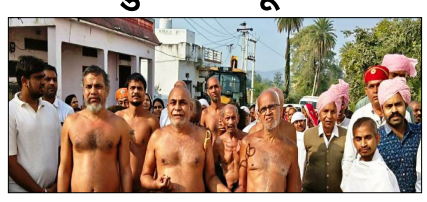

झाड़ोल। जयसमंद के निकटवर्ती झाड़ोल में आचार्य विहर्ष सागर महाराज का केजड़ से पदविहार करते हुए बुधवार प्रातः मंगल प्रवेश हुआ। प्रवक्ता अनिल स्वर्णकार ने बताया कि झाड़ोल में विराजमान मुनि आज्ञा सागर महाराज और दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष केशुलाल मालवी के नेतृत्व में समाजजनों ने आचार्य ससंघ की भव्य मंगल अगवानी की। बैंड-बाजों की भक्तिमय स्वर लहरियों, पुष्पवृष्टि और मार्गझमार्ग पर पाद प्रक्षालन के साथ गुरु भक्तों ने अत्यंत श्रद्धाभाव से मंगल प्रवेश कराया।

ससंघ नगर के विभिन्न मार्गों से होता हुआ श्री मल्लिनाथ दिगंबर जैन मंदिर पहुंचा, जहां मुनि आज्ञा सागर महाराज ससंघ और आचार्य विहर्ष सागर महाराज ससंघ के मिलन का मनोहर दृश्य देखते ही बनता था। दोनों संतों के एक साथ आगमन पर श्रद्धालुओं ने जोरदार जयकारों के साथ अपनी आनंदाभिव्यक्ति प्रकट की।

मंदिर परिसर में आचार्य विहर्ष सागर महाराज और मुनि आज्ञा सागर महाराज के सानिध्य में भगवान मल्लिनाथ का अभिषेक और शांतिधारा संपन्न हुई। इसके पश्चात दोनों संतों के मंगल प्रवचन हुए, जिनमें श्रावकश्राविकाओं को धर्म, अहिंसा, संयम और साधना की महत्ता पर प्रेरणादायी संदेश प्रदान किया गया।

मंगल प्रवेश कार्यक्रम में समाज अध्यक्ष केशुलाल मालवी, नवयुवक मंडल अध्यक्ष संजय चिबोडिया, प्रदीप सडावत, हिमांशु सडावत, जयेश कसलावत, राहुल पिलादरा, नरेश भगत, नयन चिबोडिया, अभिषेक घुरावत, पारस चिबोडिया, प्रवीण पेमावत, अरविंद चिबोडिया, पवन सेलावत, हर्षित सुरावत, अतिवीर धुरावत, सुजल पेमावत, महावीर चिबोडिया सहित जैन समाज के सैकड़ों श्रावकश्राविकाएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि आचार्य विहर्ष सागर महाराज ससंघ का चातुर्मास सलूंबर में सम्पन्न हुआ था। चातुर्मास उपरांत आचार्य ससंघ सलूंबर से विहार कर ऋषभदेव, परसाद और चावंड होते हुए झाड़ोल पहुंचे, जहां पूरे क्षेत्र में मंगल प्रवेश को लेकर शुभता और उत्साह का वातावरण रहा।

भवानीमंडी पुलिस ने 12 टन संतरे गबन करने वाला अंतरराज्यीय गिरोह दबोचा

फर्जी नंबर प्लेट और गलत पहचान से दिया था लाखों की धोखाधड़ी को अंजाम; हरियाणा, यूपी के 4 शातिर आरोपी गिरफ्तार

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

जयपुर। जिला झालावाड़ की भवानीमंडी पुलिस ने धोखाधड़ी के एक बड़े और सुनियोजित मामले का पदार्फाश करते हुए 4 शातिर आरोपियों को गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। इस गिरोह ने एक संतरा व्यापारी के 12 टन से अधिक संतरों का माल हड़प लिया था। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त ट्रक को भी जब्त कर लिया है, जो इस अंतरराज्यीय जालसाजी में इस्तेमाल हुआ था। जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि जिले में आपराधिक प्रकरणों में वांछित चल रहे आरोपियों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया गया है। इसी के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भागचंद मीणा और वृताधिकारी प्रेम कुमार के सुपरविजन में भवानीमंडी थानाधिकारी प्रमोद कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। इस टीम ने तकनीकी सहायता का उपयोग करते हुए धोखाधड़ी के इस जटिल मामले को सुलझाया।

घटना 27 नवम्बर 2025 की है, जब नागपुरी गेट, अमरावती महाराष्ट्र के संतरे व्यापारी युनुस खान ने भवानीमंडी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस को बताया कि 20 नवम्बर को संतरा मंडी भवानीमंडी से उसने 574 कैरेट (कुल 12 टन 300 किलो) संतरा खरीदकर कोलकाता भिजवाने के लिए सांवरिया ट्रांसपोर्ट के माध्यम से लोड करवाया था। ट्रांसपोर्ट मालिक वसीम भाई के कहने पर संतरा ट्रक ल्फ73इ2940 में लोड किया गया और चालक मोनू खान को बिल्टी के साथ ?40,000 नकद दिए गए। लेकिन भेजा गया माल समय पर कोलकाता नहीं पहुंचा और ट्रक चालक का मोबाइल बंद हो गया।

पहचान बदली, प्लेट बदली

पुलिस की गहन जांच और तकनीकी निगरानी के बाद सामने आया कि यह धोखाधड़ी सुनियोजित तरीके से की गई थी। आरोपी चालक मनव्वर उर्फ मोनू और ट्रक मालिक फिरोज ने मिलकर भवानीमंडी की संतरा मंडी में अपने ट्रक पर फर्जी नंबर प्लेट लगाई थी। उन्होंने अपनी पहचान और मोबाइल नंबर भी गलत बताए, ताकि माल हड़पने के बाद उन्हें ट्रैक न किया जा सके। ट्रांसपोर्ट स्वामी आश मोहम्मद और सहयोगी इदरिश के साथ मिलकर इस गिरोह ने संतरे को कोलकाता न भेजकर, रास्ते में ही औने-पौने दामों में कहीं और बेच दिया। पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ट्रक चालक मनव्वर उर्फ मोनू निवासी शामली उत्तरप्रदेश, ट्रक मालिक फिरोज निवासी पानीपत हरियाणा और ट्रांसपोर्ट स्वामी आश मोहम्मद निवासी सहारनपुर और उनके सहयोगी इदरिश निवासी शामली उत्तरप्रदेश को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त वाहन ट्रक रजि. नंबर ल्फ67ऊ6338 को भी जब्त कर लिया है। पुलिस अधीक्षक ने इस महत्वपूर्ण सफलता के लिए गठित टीम थानाधिकारी प्रमोद कुमार, हैड कांस्टेबल सुरेंद्र सिंह और दीपेंद्र सिंह, कांस्टेबल तेजेंद्र सिंह की सराहना की है।

खबर संक्षेप

जिला स्तरीय अमृता हाट मेले का आगाज 5 से

भीलवाड़ा @ पदमावत मीडिया। जिला प्रशासन एवं महिला अधिकारिता, महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिला स्तरीय अमृता हाट मेला 2025 का आयोजन ग्रामीण हाट (परिसर), में 05 दिसम्बर से 09 दिसम्बर 2025 तक किया जा रहा है। जिसमे भीलवाड़ा वासियो को हस्तनिर्मित उत्पाद खरीदने का सुनहरा अवसर मिलेगा। राजस्थान के समस्त जिले व संभाग के लगभग 80 स्वयं सहायता समूह द्वारा अपने उत्पादो का विपणन किया जायेगा। जिसमें महिला अधिकारिता विभाग, जिला उद्योग केन्द्र, एनयुएलएम व राजीविका के स्वयं सहायता समूह भाग लेंगे। मेले मे 2 हजार रुपए से अधिक खरीद पर लक्की ड्रा द्वारा आकर्षक पुरस्कार दिये जायेगे। मेले में जयपुरी सांगानेरी चद्दरे, कुर्तियां, लाख की चुडियां, कोटाडोरिया साडियां, सूट, चुन्नी, सिक्के की ज्वैलरी, प्रतापगढ़ की प्रसिद्ध हिंग, पापड़, मसाले, उदयपुर के हेण्डी क्राफ्ट आइटम, अजमेरी जूतियां, पर्स, टेराकोटा आईटम, जूट के बैग, राजस्थानी ढाबा, सेल्फी पॉइंट व बच्चों के लिए फन जोन आकर्षण का केन्द्र रहेंगे। प्रतिदिन दोपहर 12.00 बजे से महिलाओं एवं बालिकाओं के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन सायं काल 8:00 से 10:00 बजे तक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। मेले का समापन 09 दिसम्बर 2025 को किया जायेगा।

जिला कलक्टर ने किया कुम्भलगढ़ उपखंड कार्यालय का निरीक्षण

राजसमंद @ पदमावत मीडिया। जिला कलक्टर अरुण कुमार हसीजा बुधवार को कुम्भलगढ़ पहुंचे, जहाँ उन्होंने उपखण्ड अधिकारी कार्यालय का निरीक्षण कर कार्यप्रणाली एवं व्यवस्थाओं का विस्तृत अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान उपखण्ड अधिकारी साक्षी पूरी भी उपस्थित रहीं तथा उन्होंने कार्यालय की समस्त व्यवस्थाओं की जानकारी कलक्टर को दी। कलक्टर हसीजा ने कार्यालय में विभिन्न विषयों जैसे राजस्व, एसआईआर, अभिलेख, लोक शिकायत निवारण तथा अन्य सभी व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलक्टर ने अधिकारियों-कर्मचारियों को निर्देशित किया कि कार्यालय में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की समस्या का निस्तारण समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाए, ताकि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि उपखण्ड स्तर पर राजस्व कार्यों का त्वरित निस्तारण प्रशासन की प्राथमिकता है। कलक्टर हसीजा ने कार्यालय परिसर में साफ-सफाई, रिकोर्ड प्रबंधन, बैठने की व्यवस्था, पेयजल सुविधा एवं शिकायत दर्ज प्रक्रिया को और अधिक सुदृढ़ रखने के निर्देश भी दिए। उपखण्ड अधिकारी साक्षी पूरी ने कलक्टर को आश्वस्त किया कि सभी विभागीय कार्य एवं जनसुनवाई से जुड़ी व्यवस्थाएं पूरी गंभीरता एवं सतर्कता से समयानुसार संचालित की जाएंगी। निरीक्षण के दौरान उपखण्ड कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

अन्तर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस

डीसी ने विशेष योग्यजन व्यक्ति को किया सम्मानित

भीलवाड़ा @ पदमावत मीडिया। विशेष योग्यजन कल्याणार्थ जिला स्तरीय पुरस्कार के तहत अन्तर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर किशन लाल तेली शाहपुरा जिला भीलवाड़ा को सर्वश्रेष्ठ विशेष योग्यजन व्यक्ति को दिव्यांगों के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट एवं अनुकरणीय कार्य करने के लिए जिला कलक्टर श्री जसमीत सिंह संधू ने प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया । यह जानकारी सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उप निदेशक नूतन कुमार शर्मा ने दी।

राज्य निर्यात पुरस्कार वर्ष 24-25 हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। राज्य के उत्कृष्ट निर्यातकों को उनकी एक्सपोर्ट परफोरमेंस के आधार पर चयनित कर पुरस्कृत करने के उद्देश्य से राजस्थान संवर्धन नीति 2004 के तहत राज्य निर्यात पुरस्कार वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किए जा रहे हैं। जिला उद्योग एंव वाणिज्य केन्द्र के महाप्रबन्धक शैलेन्द्र शर्मा ने बतया कि आवेदन की अंतिम 5 दिसम्बर निर्धारित हैं। योजना की जानकारी एवं आवेदन पत्र विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

वंदे मातरम 150 वर्ष मल्टीमीडिया प्रदर्शनी का शुभारंभ

जिला कलेक्टर ने युवाओं से संवाद लक्ष्य निर्धारण पर दिया जोर

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

बांसवाड़ा। श्री गोविंद गुरु राजकीय महाविद्यालय के सभागार में मंगलवार को भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के केंद्रीय संचार ब्यूरो (सीबीसी), डूंगरपुर द्वारा वंदे मातरम के 150 वर्षों पर आधारित तीन दिवसीय मल्टीमीडिया प्रदर्शनी का शुभारंभ किया गया। उद्घाटन समारोह में जिला कलेक्टर डॉ. इन्द्रजीत यादव ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा के साथ स्पष्ट लक्ष्य सफलता की नींव है। उन्होंने कहा कि देश में युवाओं की संख्या बढ़ने के साथ बेरोजगारी भी बढ़ रही है, ऐसे में युवा लक्ष्य निर्धारित कर, समय का सदुपयोग कर और स्वरोजगार को अपनाकर अपने भविष्य को मजबूत बना सकते हैं।

जिला कलेक्टर ने कहा कि लक्ष्य पर निरंतर फोकस सफलता का मूल है। युवाओं को अपनी पढ़ाई और भविष्य की तैयारियों को

योजनाबद्ध करने के लिए प्रतिदिन डायरी लिखने की प्रेरणा देते हुए उन्होंने कहा कि पढ़े हुए विषयों की पुनरावृत्ति और अगले दिन की पढ़ाई का पूर्व निर्धारण सफलता को सरल बनाता है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया युवा पीढ़ी का बड़ा समय खा रहा है, इसलिए स्टडी ग्रुप बनाकर सामूहिक अध्ययन, विषय-चर्चा और ज्ञान-साझेदारी को आदत बनाना चाहिए। उन्होंने युवाओं को सलाह दी कि जीवन में तीन बैकअप प्लान अवश्य होने चाहिए, पर ध्यान एक ही मुख्य लक्ष्य पर केंद्रित रहना चाहिए।

उन्होंने कहा कि डूंगरपुर, प्रतापगढ़ और बांसवाड़ा में युवाओं की सड़क दुर्घटनाओं में संख्या चिंताजनक है। जिस तरह शरीर और पैरों की सुरक्षा के लिए कपड़े और जूते पहनते हैं, उसी तरह सिर की सुरक्षा के लिए गुणवत्तायुक्त हेलमेट पहनना अत्यंत जरूरी है।

इससे पूर्व उपखंड अधिकारी सोनू कुमारी, जिला परिषद के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी कैलाश बसैर, महिला अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक हेमेन्द्र सिंह बारहठ, पंचायत समिति के प्रधान बलवीर रावत, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष हकरु मईडा, प्राचार्य डॉ. के.एल. सिंघाड़ा और केंद्रीय संचार ब्यूरो के सहायक निदेशक रामेश्वर लाल मीणा द्वारा फीता काटकर और दीप प्रज्ज्वलित कर प्रदर्शनी का शुभारंभ किया गया।

उद्घाटन सत्र में उपखंड अधिकारी सोनू कुमारी ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं जीवन की कठिनाइयों को दूर करने में अत्यंत उपयोगी हैं। युवाओं को अपनी ऊर्जा सकारात्मक दिशा में लगाकर लक्ष्य प्राप्ति पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने वंदे मातरम गीत के महत्व को समझने और जीवन में आत्मसात करने की अपील की।

अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी कैलाश बसैर ने ग्रामीण विकास, पंचायती राज और जनजातीय क्षेत्रों के लिए संचालित योजनाओं की जानकारी दी तथा इन योजनाओं को धरातल तक पहुँचाने में विभागीय प्रयासों को रेखांकित किया। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष हकरु मईडा ने कहा कि बांसवाड़ा में प्रस्तावित परमाणु ऊर्जा परियोजना से स्थानीय युवाओं को बड़े पैमाने पर रोजगार उपलब्ध होगा।

केंद्रीय संचार ब्यूरो के सहायक निदेशक रामेश्वर लाल मीणा ने प्रदर्शनी की रूपरेखा, उद्देश्यों और तीन दिवसीय कार्यक्रम की गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि वंदे मातरम के 150 वर्ष, केंद्र सरकार की योजनाओं और नागरिक कल्याण संबंधी विषयों को आकर्षक मल्टीमीडिया पैनलों और तकनीकी सत्रों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है।

प्रतियोगिताएं और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां बनीं प्रदर्शनी का आकर्षण

पहले दिन विभिन्न प्रतियोगिताओं में बड़ी संख्या में छात्रों और आमजन ने भाग लिया। विजेताओं को समारोह में ही पुरस्कृत किया गया। प्रतापगढ़ जिले के वांगड लोक कला मंडल की प्रस्तुति विशेष आकर्षण रही। उद्घाटन दिवस पर विद्यालयों, महाविद्यालयों, नर्सिंग संस्थानों, एसटीसी एवं बीएड कॉलेजों के विद्यार्थियों के साथ महिला अधिकारिता विभाग की साथिनों और कई गणमान्यों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

मेवाड़ी रनर्स ने 9वीं अदाणी अहमदाबाद मैराथन में लहराया परचम, 16 धावकों ने पूरी की चुनौतीपूर्ण दौड़

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

उदयपुर। लेकसिटी उदयपुर की प्रतिष्ठित रनिंग कम्युनिटी मेवाड़ी रनर्स ने 9वीं अदाणी अहमदाबाद मैराथन में शानदार प्रदर्शन करते हुए मेवाड़ का परचम गर्व से लहराया। समूह के 16 धावकों ने फुल मैराथन, हाफ मैराथन और अन्य श्रेणियों में भाग लिया तथा सभी धावकों ने अपने-अपने लक्ष्य को सफलतापूर्वक पूरा कर फिनिशर मेडल अर्जित किया। फुल मैराथन में राहुल रांका ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 42.195 किलोमीटर की दूरी मात्र 3 घंटे 22 मिनट 31 सेकंड में पूरी की और सब-3:30 का दुर्लभ लक्ष्य प्राप्त कर रनिंग समुदाय में विशेष पहचान बनाई। हाफ मैराथन श्रेणी में उत्कर्ष जोशी ने 21.1 किलोमीटर 1 घंटा 30 मिनट 38 सेकंड में पूरा कर सब-1:30 क्लब में स्थान बनाया। वहीं जितेन्द्र सेन ने 10 किलोमीटर श्रेणी (वास्तविक टाइमिंग 5 किमी कैटेगरी में दर्ज) में 20 मिनट 19 सेकंड का उत्कृष्ट समय दर्ज कर 4:04 मिनट प्रति किलोमीटर की तेज रफ्तार के साथ फिनिश लाइन पार की। मैराथन में समूह के संस्थापक शक्ति सिंह दुलावत सहित रिषभ जैन, प्रकाश माली, हेमंत कुमार चौधरी, राहुल रोत, मीत, जितेन्द्र यादव, पवन पुजारी, छगन माली, इंजी. राहुल मीणा, शब्बीर हुसैन कनोरवाला और डॉ. विपिन मीणा ने भी अपनी-अपनी श्रेणियों में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए धैर्य और फिटनेस का परिचय दिया। सभी धावकों ने अपने लक्ष्य को पूरा कर मेवाड़ी रनर्स की टीम भावना, अनुशासन और समर्पण को नए आयाम दिए।

मेवाड़ी रनर्स का कहना है कि मैराथन में इस तरह की शानदार सहभागिता न केवल उदयपुर की रनिंग संस्कृति को बढ़ावा देती है, बल्कि युवा पीढ़ी को हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाने के लिए प्रेरित भी करती है। समूह आने वाले समय में देश के अन्य प्रमुख मैराथन आयोजनों में भी उदयपुर का प्रतिनिधित्व करेगा।

विश्व दिव्यांगता दिवस सम्मान समारोह में राज्यपाल ने बच्चों का सम्मान किया

दिव्यांग बच्चे सामान्य से अधिक विशिष्ट, दया नहीं—समर्थन और अवसर की आवश्यकता

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

जयपुर। विश्व दिव्यांगता दिवस के अवसर पर आयोजित सम्मान समारोह में राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने दिव्यांग बच्चों की क्षमता, आत्मविश्वास और संघर्ष शक्ति की सराहना करते हुए कहा कि दिव्यांग बच्चे सामान्य से अधिक विशिष्ट होते हैं। उन्हें दया नहीं, बल्कि समाज के सहयोग और सशक्त वातावरण की आवश्यकता है। यदि उन्हें सही अवसर मिले तो वे आकाश की ऊँचाइयों को भी छू सकते हैं।

राज्यपाल अभिव्यक्ति वेलफेयर सोसायटी द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बच्चों से आत्मीय संवाद भी किया और उनकी विभिन्न प्रतिभाओं तथा उपलब्धियों की सराहना की।

राज्यपाल ने कहा कि दिव्यांग जनों की मानसिक, बौद्धिक और संवेदी क्षमताएँ अक्सर सामान्य व्यक्तियों से अधिक प्रखर होती हैं, लेकिन उनके जीवन में संघर्ष और चुनौतियाँ भी उतनी ही अधिक होती हैं। इसीलिए समाज का कर्तव्य है कि वह इन बच्चों के लिए अवसर, सुलभता और प्रोत्साहन का वातावरण निर्मित करे।

उन्होंने कहा कि दिव्यांग बच्चे किसी भी दृष्टि से कम नहीं हैं और उन्हें 'वेदांगी' कहा गया है। ऐसे बच्चे जिनमें ज्ञान के विशेष अंग निहित होते हैं। कभी-कभी ये क्षमताएँ सुप्त अवस्था में होती हैं, जिन्हें उचित उपचार, प्रशिक्षण और संवेदनशील मार्गदर्शन के माध्यम से विकसित किया जा सकता है।

कार्यक्रम में राज्यपाल ने भारत सरकार द्वारा पारित दिव्यांगजन अधिकार विधेयक 2016 का उल्लेख करते हुए बताया कि इस कानून के माध्यम से दिव्यांगजन श्रेणियों को 7 से बढ़ाकर 21 किया गया है, जिससे अधिक लोगों को मुख्यधारा में जुड़ने और अधिकार प्राप्त होने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। उन्होंने बच्चों को कौशल, कला और हुनर से जोड़ने वाले कार्यक्रमों पर विशेष बल दिया, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें।

समारोह के दौरान राज्यपाल ने विश्व दिव्यांग सम्मान के अंतर्गत चयनित बच्चों को मंच पर सम्मानित किया। समारोह में उपस्थित दिव्यांग बच्चों ने अपनी प्रतिभाओं का प्रभावशाली प्रदर्शन कर सभी को प्रेरित किया।

विश्व दिव्यांग दिवस पर जागरूकता का संदेश गूँजा, विद्यार्थियों की प्रतिभा ने जीते सभी के दिल

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

उदयपुर। विद्या भवन स्कूल में विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें अभिलाषा स्कूल, उदयपुर के विद्यार्थी प्रभारी रेखा सिंह एवं शिक्षक मंडल के साथ शामिल हुए। कार्यक्रम ने संवेदनशीलता, सम्मान और समावेशन का संदेश देते हुए दिव्यांग विद्यार्थियों की अद्भुत प्रतिभा को मंच प्रदान किया।

मुख्य अतिथि विद्या भवन संस्थान के मुख्य संचालक राजेन्द्र भट्ट का स्वागत प्रधानाचार्या विजयश्री यादव ने किया। इस अवसर पर विद्या भवन सोसायटी के बोर्ड मेंबर पुष्पा शर्मा, गोपाल बम्ब और अरुण चतुर्वेदी भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरूआत प्रधानाचार्या विजयश्री यादव के प्रेरक उद्बोधन से हुई। इसके बाद रेनू सिंह ने कला, रचनात्मकता और समावेशी शिक्षा की महत्ता पर अपने विचार साझा किए। दिव्यांग विद्यार्थियों ने संकेत भाषा के माध्यम से अपनी चुनौतियों, अनुभवों और भावनाओं को व्यक्त किया, जिसने सभी को भावुक और जागरूक किया।

मुख्य अतिथि राजेन्द्र भट्ट ने बच्चों की मेहनत, आत्मविश्वास और प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि दिव्यांगजन समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत होते हैं। उन्होंने कहा कि इन्हें दया नहीं, अवसर और सम्मान की आवश्यकता है।

कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने अभिलाषा स्कूल के विद्यार्थियों को स्मृति-चिह्न और पुरस्कार प्रदान कर प्रोत्साहित किया। उप-प्रधानाचार्या रंजना शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया, जबकि संयोजन नीलोफर मुनीर और संचालन ललिता चेलावत द्वारा किया गया।

समापन पर आयोजित हस्ताक्षर अभियान में उपस्थित अतिथियों, विद्यार्थियों और शिक्षकों ने दिव्यांगजन सम्मान और जागरूकता को समाज में आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

आबकारी विभाग की समीक्षा बैठक: वांछित लक्ष्य समय पर पूर्ण करें: आबकारी आयुक्त

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

उदयपुर। आबकारी आयुक्त शिवप्रसाद नकाते की अध्यक्षता में मंगलवार को आबकारी भवन उदयपुर के सभागार में आबकारी एवं मद्यसंयम नीति वर्ष 2025-29 की व्यापक समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में राजस्व लक्ष्यों, बन्दोबस्त की प्रगति, मदिरा उठाव, नीतिगत बिंदुओं और विभागीय प्रकरणों पर विस्तृत चर्चा की गई। आयुक्त नकाते ने अधिकारियों को संबोधित करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि आबकारी मद्यसंयम नीति 2025-29 के तहत निर्धारित सभी विभागीय लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि राजस्व प्राप्ति, बन्दोबस्त अनुपालना और अवैध मदिरा की रोकथाम विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारियां हैं, जिनके क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार्य नहीं होगी।

उन्होंने समस्त अतिरिक्त आबकारी आयुक्तों और जिला आबकारी अधिकारियों से आग्रह किया कि आगामी कुछ माह में जारी होने वाली नई आबकारी नीति के लिए व्यावहारिक सुझाव प्रस्तुत करें, ताकि वर्ष 2026-27 के लिए आबकारी दुकानों के बंडोबस्त, कम्पोजिट मदिरा समूहों, भांग समूहों तथा अन्य व्यवस्थाओं को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके तथा आगामी वित्तीय वर्ष में राज्य सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्य शत-प्रतिशत प्राप्त किए जा सकें। बैठक में अतिरिक्त आबकारी आयुक्त प्रशासन ओपी जैन, अतिरिक्त आबकारी आयुक्त पॉलिसी प्रदीप सिंह सांगावत, वित्तीय सलाहकार सुनीता विजय, विभिन्न जोनों के सभी अतिरिक्त आबकारी आयुक्त तथा समस्त जिला आबकारी अधिकारी उपस्थित रहे। आयुक्त ने सभी अधिकारियों को विभागीय उत्तरदायित्वों के प्रभावी निर्वहन, सतत निगरानी और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि विभाग की प्राथमिकता राजस्व सुदृढ़ीकरण के साथ-साथ अवैध मदिरा नियंत्रण और आमजन के हितों की सुरक्षा है।

विशिष्ट बच्चों ने धूमधाम से मनाया विश्व दिव्यांग दिवस, कलेक्टर ने पहुँचकर किया प्रोत्साहित

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

राजसमंद। श्री द्वारकेश अक्षम सेवा संस्थान द्वारा संचालित जागृति उच्च प्राथमिक विशिष्ट विद्यालय में विश्व दिव्यांग दिवस उल्लास, उत्साह और विशेष प्रस्तुतियों के साथ मनाया गया। विद्यालय परिसर गारियावास में आयोजित समारोह में विशिष्ट बच्चों ने नृत्य, नाटक, संदेशात्मक प्रस्तुतियाँ देकर सभी को प्रभावित किया। मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे जिला कलक्टर अरुण कुमार हसीजा ने कार्यक्रम का अवलोकन कर बच्चों का उत्साहवर्धन किया तथा प्रशस्ति पत्र एवं अध्ययन सामग्री वितरित की। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव भारतभूषण पाठक ने की, जबकि अतिरिक्त जिला कलेक्टर नरेश बुनकर, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुमन अजमेरा एवं सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक दीपेंद्र सिंह शेखावत उपस्थित रहे। सचिव राकेश परियानी ने बताया कि बच्चों ने सुनने और बोलने में असमर्थ होते हुए भी जो प्रस्तुतियाँ दीं, वे अद्भुत, अनुकरणीय और हौसला बढ़ाने वाली थीं। मुख्य अतिथि ने बच्चों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि दिव्यांग बच्चे किसी भी प्रकार से सक्षम बच्चों से कम नहीं हैं। जब अवसर मिलता है, तो वे अपनी प्रतिभा से बड़ा योगदान देते हैं और समाज को प्रेरणा देते हैं।

समारोह की शुरूआत स्वागत गीत और मानसिक विकलांगता पर आधारित प्रस्तुति से हुई। इसके बाद भैरू सिंह, पुष्कर, कन्हैयालाल, रमण और उनकी टीम ने स्वागत करते हैं हम आपका प्रस्तुति से कार्यक्रम को गति दी। मनीष कंडेला, हिम्मत, संतोष, मनीष, ललिता, मयंक, लादुलाल और किरण सालवी ने नशामुक्ति का संदेश दिया। जीविका माली और ऋषि की काली काली गली, हरीश, विक्रम, दिव्या, महिपाल, अजय और रोहित की अतुल्य भारत प्रस्तुति को खूब सराहना मिली। श्यामा, रजु, भावना, दिनेश, विष्णु और गौरव की नन्हा मुन्ना जानकर हमको ना समझना रे और विक्रम-दिव्या की सर्वधर्म समभाव प्रस्तुति ने सभागार में उपस्थित दर्शकों को भावुक और आनंदित दोनों किया। सड़क सुरक्षा पर आधारित प्रस्तुति ने जागरूकता का महत्वपूर्ण संदेश दिया, जबकि अवलोक ऑटिस्टिक आत्मकथा पर आधारित अभिनय ने आयोजकों की मेहनत को स्पष्ट रूप से दर्शाया। जिला कलेक्टर और एडीएम ने संस्थान का निरीक्षण करते हुए व्यवस्थाओं, शिक्षण पद्धति और प्रशिक्षण मॉड्यूल की जानकारी ली। सचिव राकेश परियानी ने विश्व दिव्यांग दिवस के उद्देश्य पर कहा कि इस दिन का मूल लक्ष्य दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना, भेदभाव समाप्त करना और समान अवसर उपलब्ध कराना है। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 1991 में निर्धारित यह दिवस दुनिया भर में समावेशिता और संवेदनशीलता के संदेश को सुदृढ़ बनाता है। कार्यक्रम का संचालन अनिता परिहार एवं चंदन कंवर ने किया। विद्यालय स्टाफ अनिता परिहार, पिंकी मेहता, चंदन कंवर, शारदा यादव, सुनीता चंदेल, दिनेश खारौल, प्रियंका कुमार, मंजी परिहार, अंजू भटनागर, ओमप्रकाश चारण, नीलू रतन, कृष्णा, शशि, मयंक, किशन, ईश्वर तथा संजय सिंह ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। समारोह में समाजसेवी आशिक बोडेरा, समाज कल्याण विभाग का स्टाफ सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

स्वत्वाधिकारी, संस्थापक, प्रकाशक एवं प्रधान सम्पादक : पवन मॉगीलाल जैन उर्फ पवन जैन पदमावत, प्रधान कार्यालय : गणेश नगर, कांदिवली वेस्ट, मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत - 400067 से अमुद्रित ऑनलाईन प्रकाशित। मो. नं. : +91-95945-42679
e-mail :- padmavatmedia@gmail.com / Web : padmavatmedia.in (नोट : पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुम्बई, महाराष्ट्र होगा। उक्त ई-पेपर को अवैध रूप से छपवाना कानूनी अपराध हैं।